M. T. B. COLLEGE, SURAT
Manuscripts Library

No. Ref. /
Ser. 1218

Title: Vishnu Sahasra Nama.

1218

Complete

C

Vishnu Shoshra Nam	Title
	Author
	Editor
SKt Samvat 1872	Year, Vols.
	Publisher
1218 Pages 1 to 13	Remarks

१७३

॥श्री॥ ॥अथविष्णुसहस्रनाम[illegible]

वि॰

श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ विश्वाय
नमः ॥ ॐ विष्णवे नमः ॥ ॐ वषट्कारा
य नमः ॥ ॐ भूतभव्यभवत्प्रभवे न
मः ॥ ॐ भूतकृते नमः ॥ ॐ भूतभृ
ते नमः ॥ ॐ भावाय नमः ॥ ॐ भूता राम
त्मने नमः ॥ ॐ भूतभावनाय नमः ॥ १

ॐ मुक्तानांपरमगतये नमः २

५ ॐ पूतात्मने नमः ॥ १० ॥ ॐ परमात्मने
नमः ॥ ॐ अव्ययाय नमः ॥ ॐ मुक्ता
नांपरमात्मनेनमः ॥ ॐ पुरुषाय न
मः ॥ ॐ साक्षिणे नमः ॥ ॐ क्षेत्रज्ञाय न
मः ॥ ॐ अक्षराय नमः ॥ ॐ योगाय न
मः ॥ ॐ योगविदांनेत्रे नमः ॥ ॐ प्रधा

वि॰

नपुरुषेश्वरायनमः॥२०॥ ॐ नरा
सिंहवपुषेनमः॥ ॐ श्रीमतेनमः॥
ॐ केशवायनमः॥ ॐ पुरुषोत्तमा
यनमः॥ ॐ सर्वायनमः॥ ॐ शर्वा
यनमः॥ ॐ शिवायनमः॥ ॐ स्थाण राम
वेनमः॥ ॐ भूतादियेनमः॥ ॐ नि २

मे

धयेनमः॥३०॥ ॐ अव्ययायनमः॥
ॐ संभवेनमः॥ ॐ भावनायनमः॥
ॐ भर्त्रेनमः॥ ॐ प्रभवायनमः॥ ॐ
प्रभवे नमः॥ ॐ ईश्वरायनमः॥ ॐ
स्वयंभुवेनमः॥ ॐ शंभवेनमः॥ ॐ
आदित्यायनमः॥४०॥ ॐ पुष्कराक्षा

यनमः॥ ॐ महास्वनायनमः॥ ॐ
अनादिनिधनायनमः॥ ॐ धात्रे
नमः॥ ॐ विधात्रेनमः॥ ॐ धातवु
नमः॥ ॐ उपमायनमः॥ ॐ अप्रमे
यायनमः॥ ॐ हृषिकेशायनमः॥ राम
ॐ पद्मनाभायनमः॥ ॐ अमरप्रभ ३

वेनमः॥ ५० ॐ विश्वकर्मणेनमः॥ ॐ
मनवेनमः॥ ॐ त्वष्ट्रेनमः॥ ॐ स्थवि
ष्ठायनमः॥ ॐ स्थविरायनमः॥ ॐ
ध्रुवायनमः॥ ॐ अग्राह्यायनमः॥ ॐ
शाश्वतायनमः॥ ॐ कृष्णायनमः
॥ ॐ प्रमर्दनायनमः॥ ॐ प्रभु

ॐलोहिताक्षायनमः

ताय नमः ॥ ॐ त्रिककुब्धाम्ने नमः
ॐ पवित्राय नमः ॥ ॐ मंगलाय नमः
ॐ पराय नमः ॥ ॐ ईशानाय नमः ॥
ॐ प्राणदाय नमः ॥ ॐ प्राणाय नमः
ॐ ॥ ७० ॥ ॐ ज्येष्ठाय नमः ॥ ॐ श्रेष्ठा
य नमः ॥ ॐ प्रजापतये नमः ॥ ॐ हि

रण्यगर्भाय नमः ॥ ॐ भूगर्भाय नमः
ॐ माधवाय नमः ॥ ॐ मधुसूदनाय
नमः ॥ ॐ ईश्वराय नमः ॥ ॐ विक्रमि
णे नमः ॥ ॐ धन्विने नमः ॥ ८० ॥ ॐ मे
धाविने नमः ॥ ॐ विक्रमाय नमः ॥
ॐ क्रमाय नमः ॥ ॐ अनुत्तमाय नमः

वि॰ ३

दुराधर्षायनमः॥ ॐ कृतज्ञायनमः

ॐ कृतयेनमः॥ ॐ आत्मविनेनमः

ॐ सुरेशायनमः॥ ॐ शरणायनमः

ॐ॥ ९९॥ ॐ शर्मणेनमः॥ ॐ विश्वरेत राम

सेनमः॥ ॐ प्रजाभवायनमः॥ ॐ अन्हे ५

नमः॥ ॐ संवत्सरायनमः॥ ॐ व्याला

स्य

यनमः॥ ॐ प्रत्ययायनमः॥ ॐ सर्वद

र्शनायनमः॥ ॐ अजायनमः॥ ॐ स

र्वेश्वरायनमः॥ १००॥ ॐ सिद्धायनमः

ॐ सिद्धयेनमः॥ ॐ सर्वादयेनमः॥ ॐ

अच्युतायनमः॥ ॐ वृषाकपयेनमः॥ ॐ

अमेयात्मनेनमः॥ ॐ सर्वयोगवि

वि॰

निसृतायनमः॥ ॐ वसवेनमः॥ ॐ
वसुमनसेनमः॥ ॐ सत्यायनमः॥
११०॥ ॐ समात्मनेनमः॥ ॐ संमिता
यनमः॥ ॐ समायनमः॥ ॐ अमो
घायनमः॥ ॐ पुंडरीकाक्षायनमः॥ राम
ॐ वृषकर्मणेनमः॥ ॐ वृषाकृतेनमः ६
ये

ॐ रुद्रायनमः॥ ॐ बहुसीरसेनमः
ॐ ब्रभ्रवेनमः॥ १२०॥ ॐ विश्वयोनये
नमः॥ ॐ शुचिश्रवसेनमः॥ ॐ अमृ
तायनमः॥ ॐ शाश्वतायनमः॥ ॐ
स्थाणवेनमः॥ ॐ वरारोहायनमः॥
ॐ महातपसेनमः॥ ॐ सर्वगायनमः॥

वि॰

ॐ सर्वविदे नमः ॥ ॐ भानवे नमः ॐ
विष्वक्सेनाय नमः ॥ ॐ जनार्दना
य नमः ॥ ॐ वेदाय नमः ॥ ॐ अव्यं
गाय नमः ॥ ॐ वेदांगाय नमः ॥ ॐ
वेदविदे नमः ॥ ॐ कवये नमः ॥ राम
ॐ लोकाध्यक्षाय नमः ॥ ॐ सुराध्य ७
॥ ॐ वेदविदे नमः ॥ उध

क्षाय नमः ॥ १५० ॥ ॐ धर्माध्यक्षाय
नमः ॥ ॐ कृताकृतये नमः ॥ ॐ चतु
रात्मने नमः ॥ ॐ चतुर्व्यूहाय नमः
ॐ चतुर्दंष्ट्राय नमः ॥ ॐ चतुर्भुजाय
नमः ॥ ॐ भ्राजिष्णवे नमः ॥ ॐ भोज
नाय नमः ॥ ॐ भोक्त्रे नमः ॥ ॐ सहि

ष्णवेनमः॥१५ॐजगदादिजायनमः
ॐअनघायनमः॥ॐविजयायनमः
ॐजेत्रेनमः॥ॐविश्वयोनयेनमः॥
ॐपुनर्वसवेनमः॥ॐउपेन्द्राय
नमः॥ॐवामनायनमः॥ॐप्रांशु
वेनमः॥ॐअमोघायनमः॥१६॥

ॐशुचयेनमः॥ॐऊर्जितायनमः
ॐअतीन्द्रायनमः॥ॐसंग्रहायनमः
ॐसर्गायनमः॥ॐधृतात्मनेनमः॥
ॐनियमायनमः॥ॐयमायनमः॥ॐ
वेद्यायनमः॥ॐवैद्यायनमः॥१७॥
ॐसदायोगिनेनमः॥ॐवीरघ्नेनमः॥

ॐमाधवायनमः॥ॐमधवेनमः॥
ॐअतींद्रीयायनमः॥ॐमहामायाय
नमः॥ॐमहोत्साहायनमः॥ॐमहाब
लायनमः॥ॐमहाबुध्येनमः॥ॐम
हावीर्यायनमः॥ॐमहाशक्तयेनमः
१२०॥ॐमहाद्युतयेनमः॥ॐअनि

र्देश्यवपुषेनमः॥ॐश्रीमतेनमः॥
ॐअमेयात्मनेनमः॥ॐमहाद्रिधृ
तेनमः॥ॐमहेष्वासायनमः॥ॐम
हीभर्त्रेनमः॥ॐश्रीनिवासायनमः॥
ॐसतांगतयेनमः॥१३०॥ॐअनिरु
द्धायनमः॥ॐसुरानंदायनमः॥ॐ

वि॰

गोविंदायनमः॥ ॐ गोविदांपतये
नमः॥ ॐ मरीचयेनमः॥ ॐ दमना
यनमः॥ ॐ हंसायनमः॥ ॐ सुपर्णा
यनमः॥ ॐ भुजगोत्तमायनमः॥ ॐ
हिरण्यनाभायनमः॥ २०० ॥ ॐ सुत
पसेनमः॥ ॐ पद्मनाभायनमः॥ ॐ

राम
१०

प्रजापतयेनमः॥ ॐ अमृत्यवेनमः
ॐ सर्वदृशेनमः॥ ॐ सिंहायनमः॥
ॐ संधात्रेनमः॥ ॐ संधिमतेनमः॥
ॐ स्थिरायनमः॥ ॐ अजायनमः॥ ॐ
दुर्मर्षणायनमः॥ २११ ॥ ॐ शास्त्रेनमः
ॐ विश्रुतात्मनेनमः॥ ॐ सुरारिघ्ने

नमः ॥ ॐ गुरवेनमः ॥ ॐ गुरुतमा
यनमः ॥ ॐ धाम्नेनमः ॥ ॐ सत्याय
नमः ॥ ॐ सत्यपराक्रमायनमः ॥
ॐ निमिषायनमः ॥ २२० ॥ ॐ अनि
मिषायनमः ॥ ॐ स्रग्विणे नमः ॥
ॐ वाचस्पतयेनमः ॥ ॐ उदारधि

येनमः ॥ ॐ अग्रण्येनमः ॥ ॐ ग्रा
मण्येनमः ॥ ॐ श्रीमतेनमः ॥ ॐ न्या
यायनमः ॥ ॐ नेत्रेनमः ॥ ॐ समीरणा
यनमः ॥ २३० ॥ ॐ सहस्रमूर्ध्नेनमः
ॐ विश्वात्मनेनमः ॥ ॐ सहस्राक्षाय
नमः ॥ ॐ सहस्रपदेनमः ॥ ॐ आव

वि·

र्तनायनमः॥ ॐ निवर्त्तात्मनेन
मः॥ ॐ संहृकायनमः॥ ॐ संप्र
तर्द्दनायनमः॥ ॐ वक्रेनमः॥ ॐ
संवर्त्तकायनमः॥ ॐ वह्नयेनमः राम
९४६॥ ॐ अनिलायनमः॥ ॐ धर १२
णीधरायनमः॥ ॐ सुप्रसादाय

नमः॥ ॐ सर्वप्रहरणायु[illegible]ायन
मः॥ १०२४॥ ॥इतिश्री विष्णुसहस्रना
मावलीसंपूर्णसमाप्तः॥ ❀ ॥ ❀ ॥
संवत् १९३२ना वर्षे पोसवदि १२ वार
त्रिभृगुवारे समाप्तं लेखकपाठयोशु
भं भवतु कल्याणमस्तु॥ ❀ ॥ ❀ ॥

वि.स.

राम
५१